

प्रेषक,

सुरेन्द्र सिंह रावत
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रभारी प्रबन्ध निदेशक
उत्तराखण्ड पेयजल निगम
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 17 फरवरी, 2011

विषय: मा० मुख्यमंत्री जी की घोषणान्तर्गत जनपद देहरादून के विधान सभा क्षेत्र डोईवाला में 20 हैण्डम्पों के अधिष्ठापन हेतु राज्य सैक्टर ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2010-11 में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 22.12.2010 को जनपद देहरादून के विधान सभा क्षेत्र डोईवाला में की गयी घोषणा के सन्दर्भ में आपके पत्र संख्या 72/नियो.अनु./धनावंटन प्रस्ताव/01 दिनांक 14.01.2011 द्वारा डोईवाल क्षेत्र में 20 हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन हेतु उपलब्ध कराये गये प्राक्कलन ₹ 48.60 लाख के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त प्राक्कलन के सापेक्ष औचित्यपूर्ण पाई गयी धनराशि ₹ 43.63 लाख (तैंतालीस लाख तरेसठ हजार मात्र) लागत की राज्य सैक्टर ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में व्यय आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1- उक्त धनराशि प्रबन्ध निदेशक उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी।

2- स्वीकृत की जा रही धनराशि का इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय।

3- धनराशि व्यय करने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का पालन कड़ाई से किया जाय

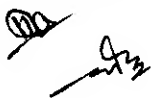
4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितना मानक स्वीकृत है तथा स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

6- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार संक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

7- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार संक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

8- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों का तथा जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई है, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता के अनुमोदन कराना आवश्यक होगा तदोपरांत ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।



- 9- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताये तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 10- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भू-गर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 11- आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 12- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 13- मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV- 219(2006) दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 14- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के लेखानुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-03-ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर-00- 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।
- 15- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 858/XXVII(2)/2010, दिनांक 11 फरवरी 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुरेन्द्र सिंह रावत)

अपर सचिव

पृ० सं० 51(6)/उन्तीस(2)/~~11~~-2(99पे०)/2010 तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-निजी सचिव, मा० पेयजल मंजी जी को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 2-स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- 3-निजी सचिव-प्रमुख सचिव पेयजल को सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
- 4-महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 5-आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
- 6-जिलाधिकारी, देहरादून।
- 7-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 8-निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, ई०सी० रोड, देहरादून।
- 9-निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10-प्रभारी मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून।
- 11-अधीक्षण अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, सम्बन्धित जनपद।
- 12-अधिशाली अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, सम्बन्धित जनपद।
- 13-वित्त अनुभाग-2/राज्य योजना आयोग/वित्त बजट सैल।
- 14-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव